II. **रौशनी की दरकार**

आँख तो है लेकिन रौशनी मिले तो
कभी ठहर कर देखना
कि
नदी को भी उसका धर्म चाहिए
चींटी को चाहिए उसका बिल
रेत को उसका तट चाहिए
पत्थर को उसका पहाड़ ।
पीपल तो सीधे शहर की इमारतों पर दावा ठोकता
इमारतों के चक्रव्यूह में अभिमन्यु बनता है
बनबाबा के दधीचि की तरह
....ताकि बचा पाए जमीन

लेकिन अब रौशनी इतनी है , इतनी है
कि रौशनी आँख में कम है
रौशनी वस्तु पर ज्यादा है ।
रौशनी ही रौशनी है ।
इतनी रौशनी, इतनी रौशनी
कि चकाचौंध चकाचौंध ।

राम की रौशनी
पैगम्बर की रौशनी
धर्म की रौशनी !
सब रौशनी ही रौशनी है ।

जिसके आगे ढेर सहस्रों रावण
शैतान जाए हार हजार
उस विराट के सम्मुख
आज
मक्खी पर इतनी रौशनी ,इतनी रौशनी
की मक्खी पर ही अब रौशनी है ।

शशि उज्ज्वल गुप्ता

I. **प्रहार**

ओ युवा! तू है कहां?
कहां है सोया?,
है कहां भटक रहा?,
क्यों निराश पड़ा है?,
किस मसीहे की आस में खड़ा है?,
किस उलझन में फंसा है?,
असीम शक्ति तो तेरे भुजबल में संचित है,
अपनी शक्ति को पहचान,
तेरे पास है हर समस्या का निदान।
ना डर, ना डरा,
कर तू एक संकल्प,
संघर्ष का नहीं, है कोई दूसरा विकल्प।
मिटाना है तुझे ही इस पाप को,
इस आधुनिक अन्याय को,
समाज के कलंक को,
छल और प्रपंच को,
देश के इस कोढ़ को..।
हर घर से, हर गांव से,
हर गली, हर मोड़ से,
हर शहर, हर राज्य से,
ग्राम के प्रधान से देश के प्रधान तक,
सड़क से संसद तक,
आम नागरिक से ऑफिस के..
उपरी आय की बाट जोहते बाबू तक।
कोई भी लिप्त हो, संलिप्त हो
ठगी के इस खेल में,
वृद्धा- विधवा पेंशन के हेर फेर में,
इंदिरा आवास के फरेब में,
शिशुओं के पोषाहार गटकने में,
निर्दोष-गरीब-बेसहारा से जालसाजी में,
जरूरतमंदों से पैसे ऐंठने में,
दफ्तरों में बैठकर जमीर बेचने में,
मारकर किसी का हक,
हैं लगे निज-सुविधा जुटाने में।
लूट कर बचपन किसी का,
घर अपना बचाने में।

उठ, जाग और कर प्रहार
पकड़ कर कलम की धार,
शिक्षा को बना हथियार,
होकर सजग, बनकर प्रहरी।
हर क्षण सावधान!
बन जागरूक, बना जागरूक।

ना तू थक!
ना रुक!
ना झुक!
करते जा वार पे वार!!
करता जा तू असंख्य प्रहार,
तब ही तो मिटेगा भ्रष्टाचार ।।
तब ही तो मिटेगा भ्रष्टाचार।।

~शिवम

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION
Certificate of Commitment
This is to certify that
Kumari KASHISH GOSWAMI
has adopted the Integrity Pledge and is committed to uphold highest standards of honesty & integrity and to follow probity and rule of law in all walks of life
P. Daniel
Additional Secretary
Central Vigilance Commission, Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex, INA, New Delhi-110023
Tel: 011- 24600200 (30 Lines), Fax No. 011- 24651010/24651186, Website: www.cvc.nic.in

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION
Certificate of Commitment
This is to certify that
Miss NISHTHA PANDEY
has adopted the Integrity Pledge and is committed to uphold highest standards of honesty & integrity and to follow probity and rule of law in all walks of life
P. Daniel
Additional Secretary
Central Vigilance Commission, Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex, INA, New Delhi-110023
Tel: 011- 24600200 (30 Lines), Fax No. 011- 24651010/24651186, Website: www.cvc.nic.in

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION
Certificate of Commitment
This is to certify that
Shri KAPIL TRIPATHI
has adopted the Integrity Pledge and is committed to uphold highest standards of honesty & integrity and to follow probity and rule of law in all walks of life
P. Daniel
Additional Secretary
Central Vigilance Commission, Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex, INA, New Delhi-110023
Tel: 011- 24600200 (30 Lines), Fax No. 011- 24651010/24651186, Website: www.cvc.nic.in

II. **रौशनी की दरकार**

आँख तो है लेकिन रौशनी मिले तो
कभी ठहर कर देखना
कि
नदी को भी उसका धर्म चाहिए
चींटी को चाहिए उसका बिल
रेत को उसका तट चाहिए
पत्थर को उसका पहाड़ ।
पीपल तो सीधे शहर की इमारतों पर दावा ठोकता
इमारतों के चक्रव्यूह में अभिमन्यु बनता है
बनबाबा के दधीचि की तरह
....ताकि बचा पाए जमीन

लेकिन अब रौशनी इतनी है , इतनी है
कि रौशनी आँख में कम है
रौशनी वस्तु पर ज्यादा है ।
रौशनी ही रौशनी है ।
इतनी रौशनी, इतनी रौशनी
कि चकाचौंध चकाचौंध ।

राम की रौशनी
पैगम्बर की रौशनी
धर्म की रौशनी !
सब रौशनी ही रौशनी है ।

जिसके आगे ढेर सहस्रों रावण
शैतान जाए हार हजार
उस विराट के सम्मुख
आज
मक्खी पर इतनी रौशनी ,इतनी रौशनी
की मक्खी पर ही अब रौशनी है ।

शशि उज्ज्वल गुप्ता

I. **प्रहार**

ओ युवा! तू है कहां?
कहां है सोया?,
है कहां भटक रहा?,
क्यों निराश पड़ा है?,
किस मसीहे की आस में खड़ा है?,
किस उलझन में फंसा है?,
असीम शक्ति तो तेरे भुजबल में संचित है,
अपनी शक्ति को पहचान,
तेरे पास है हर समस्या का निदान।
ना डर, ना डरा,
कर तू एक संकल्प,
संघर्ष का नहीं, है कोई दूसरा विकल्प।
मिटाना है तुझे ही इस पाप को,
इस आधुनिक अन्याय को,
समाज के कलंक को,
छल और प्रपंच को,
देश के इस कोढ़ को..।
हर घर से, हर गांव से,
हर गली, हर मोड़ से,
हर शहर, हर राज्य से,
ग्राम के प्रधान से देश के प्रधान तक,
सड़क से संसद तक,
आम नागरिक से ऑफिस के..
उपरी आय की बाट जोहते बाबू तक।
कोई भी लिप्त हो, संलिप्त हो
ठगी के इस खेल में,
वृद्धा- विधवा पेंशन के हेर फेर में,
इंदिरा आवास के फरेब में,
शिशुओं के पोषाहार गटकने में,
निर्दोष-गरीब-बेसहारा से जालसाजी में,
जरूरतमंदों से पैसे ऐंठने में,
दफ्तरों में बैठकर जमीर बेचने में,
मारकर किसी का हक,
हैं लगे निज-सुविधा जुटाने में।
लूट कर बचपन किसी का,
घर अपना बचाने में।

उठ, जाग और कर प्रहार
पकड़ कर कलम की धार,
शिक्षा को बना हथियार,
होकर सजग, बनकर प्रहरी।
हर क्षण सावधान!
बन जागरूक, बना जागरूक।

ना तू थक!
ना रुक!
ना झुक!
करते जा वार पे वार!!
करता जा तू असंख्य प्रहार,
तब ही तो मिटेगा भ्रष्टाचार ।।
तब ही तो मिटेगा भ्रष्टाचार।।

~शिवम

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION
Certificate of Commitment
This is to certify that
Kumari KASHISH GOSWAMI
has adopted the Integrity Pledge and is committed to uphold highest standards of honesty & integrity and to follow probity and rule of law in all walks of life
P. Daniel
Additional Secretary
Central Vigilance Commission, Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex, INA, New Delhi-110023
Tel: 011- 24600200 (30 Lines), Fax No. 011- 24651010/24651186, Website: www.cvc.nic.in

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION
Certificate of Commitment
This is to certify that
Miss NISHTHA PANDEY
has adopted the Integrity Pledge and is committed to uphold highest standards of honesty & integrity and to follow probity and rule of law in all walks of life
P. Daniel
Additional Secretary
Central Vigilance Commission, Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex, INA, New Delhi-110023
Tel: 011- 24600200 (30 Lines), Fax No. 011- 24651010/24651186, Website: www.cvc.nic.in

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION
Certificate of Commitment
This is to certify that
Shri KAPIL TRIPATHI
has adopted the Integrity Pledge and is committed to uphold highest standards of honesty & integrity and to follow probity and rule of law in all walks of life
P. Daniel
Additional Secretary
Central Vigilance Commission, Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex, INA, New Delhi-110023
Tel: 011- 24600200 (30 Lines), Fax No. 011- 24651010/24651186, Website: www.cvc.nic.in

सतर्कता और समृद्धि में बहुत ही गहरा अंतरसंबंध है । सतर्कता क्या है? सतर्कता कैसे आती है? सतर्कता का संबंध जागरूकता से है, मतलब बिना जागरूक हुए आप सतर्क नहीं हो सकते। बात अब ये आती है कि जागरूकता कैसे आती है, क्यों आती है, इसकी आवश्यकता क्यों है और कोई जागरुक हो तो कैसे हो?

जागरुकता अर्थात मानसिक और बौद्धिक जागरण, अपने और अपने वातावरण के प्रति सजगता-सचेतता। कहते हैं कि जब लोग ठगे जाते हैं तो उन्हें अक्ल आती है, लेकिन यदि कोई बार-बार ठगा जाए तो उसे बुद्धिहीन की श्रेणी में रख दिया जाता है। हमारे देश में ठगों के किस्से प्राचीन काल से ही प्रसिद्ध रहे हैं । आखिर कोई किसी को ठगता क्यों है और कोई-न-कोई हर बार क्यों ठगा जाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि प्राचीन काल से ठगी होते रहने के बावजूद यह आज भी अपने नव-प्रवर्धित संस्करण में हमारे बीच उपलब्ध है। हम जितने होशियार होते जा रहे हैं ठग भी वैसे ही हमसे एक कदम आगे बढ़े रहने में।

ठग, जेब कतरों से लेकर आज के आधुनिक अर्ध-शिक्षित -शिक्षित हैकरों और जालसाज़ों तक, अधिकतर यही देखा गया है कि ठगी के शिकार लोग सतर्क नहीं, जागरूक नहीं थे या अन्य शब्दों में आवश्यक जानकारियों से अनभिज्ञ थे। आजकल के महत्वपूर्ण आर्थिक दुर्घटनाओं में प्रायः यही देखा गया है कि अपने ही घर के युवा सदस्यों द्वारा इंटरनेट गेम और ऑनलाइन वेबसाइटों पर बुजर्गों के असाध्य धन-राशियों को लुटा दिया गया। कारण जानकारी का अभाव और अपने बच्चों की ऑनलाइन क्रियाविधियों से अनभिज्ञता। युवाओं को पथभ्रष्ट कर,अनावश्यक गतिविधियों का अभ्यस्त बना अचूक धन राशि की उगाही।

अंततः बात यही आती है कि कैसे इन ठगी और धोखाधड़ी के मामलों को नियंत्रित किया जाए। तो दो तरीके हमारे सम्मुख बड़ी आसानी से प्रकट हो जाते हैं। पहला जनता अर्थात जनसामान्य को जागरूक बनाकर-शिक्षित बनाकर और दूसरा अपराधियों को कठोरता से दण्डित कर। निष्कर्ष अंततः यही निकलता है कि शिक्षा से मानव जीवन की बहुविध समस्याओं से आसानी से निपटा जा सकता है। यही शिक्षा जागरुकता की ओर हमें सम्मुख करती है और जागरुकता सतर्कता की ओर।

ठगी-धोखाधड़ी या जालसाजी अपने आप में बृहत अर्थ और मायने लिए हुए हैं। इसका आयाम काफी विस्तृत है और यह अर्थ से लेकर धर्म-राजनीति और समाज के हर क्षेत्र में परिव्याप्त है और यही कारण है कि हमें सजग-सतर्क और नव-नवीन जानकारियों से सतत परिचित होते रहने की आवश्यकता है।

सच ही कहा गया है जो जागरूक है-सचेत है-सतर्क है वही समृद्ध है और उसी की समृद्धि कुछ हद तक चिरस्थाई रह सकती है।

"सतर्क भारत -समृद्ध भारत" सतर्क रहिए-समृद्ध रहिए।

~अविनाश चौधरी

From afar, the city glistens in the late morning light
From this distance, nothing seems out of place
But look closer, and you'll see the darkness creeping
In the alleyways, beneath tables, in kind and even upfront
Darkness lurks in our minds and it is all because of greed
The city is rotten to its core.

But oh look– today's morning brings the promise of a new tomorrow
A new beginning where the citizens do not feed the greed of others
A new day where the country moves forward towards a corruption fre
tomorrow
But it won't be possible without you and me
So come take a pledge with me
To be ever vigilant and to raise your voice
To beware of the wolves in disguise
To never indulge and to stop corruption
So our future may be ever bright.

Poem for Vigilance Awareness Week by Ileeka Pal

9:3

सतर्कता और समृद्धि में बहुत ही गहरा अंतरसंबंध है । सतर्कता क्या है? सतर्कता कैसे आती है? सतर्कता का संबंध जागरूकता से है, मतलब बिना जागरूक हुए आप सतर्क नहीं हो सकते। बात अब ये आती है कि जागरूकता कैसे आती है, क्यों आती है, इसकी आवश्यकता क्यों है और कोई जागरुक हो तो कैसे हो?

जागरुकता अर्थात मानसिक और बौद्धिक जागरण, अपने और अपने वातावरण के प्रति सजगता-सचेतता। कहते हैं कि जब लोग ठगे जाते हैं तो उन्हें अक्ल आती है, लेकिन यदि कोई बार-बार ठगा जाए तो उसे बुद्धिहीन की श्रेणी में रख दिया जाता है। हमारे देश में ठगों के किस्से प्राचीन काल से ही प्रसिद्ध रहे हैं । आखिर कोई किसी को ठगता क्यों है और कोई-न-कोई हर बार क्यों ठगा जाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि प्राचीन काल से ठगी होते रहने के बावजूद यह आज भी अपने नव-प्रवर्धित संस्करण में हमारे बीच उपलब्ध है। हम जितने होशियार होते जा रहे हैं ठग भी वैसे ही हमसे एक कदम आगे बढ़े रहने में।

ठग, जेब कतरों से लेकर आज के आधुनिक अर्ध-शिक्षित -शिक्षित हैकरों और जालसाज़ों तक, अधिकतर यही देखा गया है कि ठगी के शिकार लोग सतर्क नहीं, जागरूक नहीं थे या अन्य शब्दों में आवश्यक जानकारियों से अनभिज्ञ थे। आजकल के महत्वपूर्ण आर्थिक दुर्घटनाओं में प्रायः यही देखा गया है कि अपने ही घर के युवा सदस्यों द्वारा इंटरनेट गेम और ऑनलाइन वेबसाइटों पर बुजर्गों के असाध्य धन-राशियों को लुटा दिया गया। कारण जानकारी का अभाव और अपने बच्चों की ऑनलाइन क्रियाविधियों से अनभिज्ञता। युवाओं को पथभ्रष्ट कर,अनावश्यक गतिविधियों का अभ्यस्त बना अचूक धन राशि की उगाही।

अंततः बात यही आती है कि कैसे इन ठगी और धोखाधड़ी के मामलों को नियंत्रित किया जाए। तो दो तरीके हमारे सम्मुख बड़ी आसानी से प्रकट हो जाते हैं। पहला जनता अर्थात जनसामान्य को जागरूक बनाकर-शिक्षित बनाकर और दूसरा अपराधियों को कठोरता से दण्डित कर। निष्कर्ष अंततः यही निकलता है कि शिक्षा से मानव जीवन की बहुविध समस्याओं से आसानी से निपटा जा सकता है। यही शिक्षा जागरुकता की ओर हमें सम्मुख करती है और जागरुकता सतर्कता की ओर।

ठगी-धोखाधड़ी या जालसाजी अपने आप में बृहत अर्थ और मायने लिए हुए हैं। इसका आयाम काफी विस्तृत है और यह अर्थ से लेकर धर्म-राजनीति और समाज के हर क्षेत्र में परिव्याप्त है और यही कारण है कि हमें सजग-सतर्क और नव-नवीन जानकारियों से सतत परिचित होते रहने की आवश्यकता है।

सच ही कहा गया है जो जागरूक है-सचेत है-सतर्क है वही समृद्ध है और उसी की समृद्धि कुछ हद तक चिरस्थाई रह सकती है।

"सतर्क भारत -समृद्ध भारत" सतर्क रहिए-समृद्ध रहिए।

~अविनाश चौधरी

From afar, the city glistens in the late morning light
From this distance, nothing seems out of place
But look closer, and you'll see the darkness creeping
In the alleyways, beneath tables, in kind and even upfront
Darkness lurks in our minds and it is all because of greed
The city is rotten to its core.

But oh look– today's morning brings the promise of a new tomorrow
A new beginning where the citizens do not feed the greed of others
A new day where the country moves forward towards a corruption fre
tomorrow
But it won't be possible without you and me
So come take a pledge with me
To be ever vigilant and to raise your voice
To beware of the wolves in disguise
To never indulge and to stop corruption
So our future may be ever bright.

Poem for Vigilance Awareness Week by Ileeka Pal

9:3

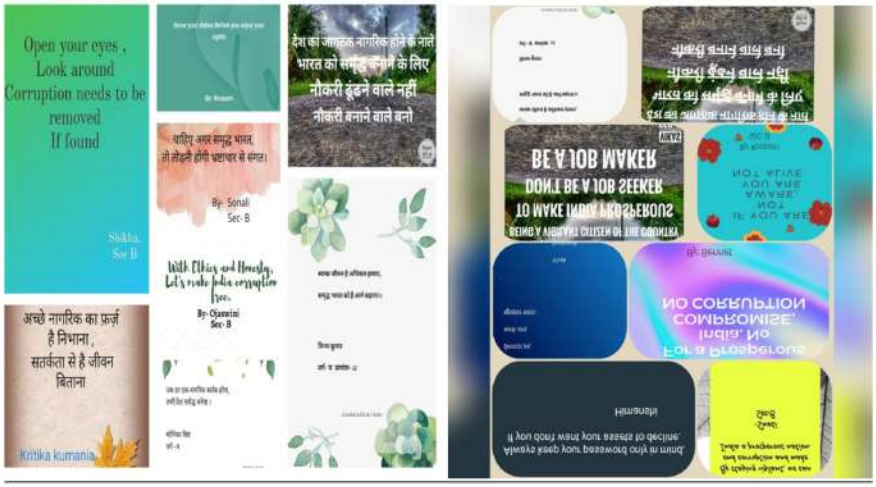

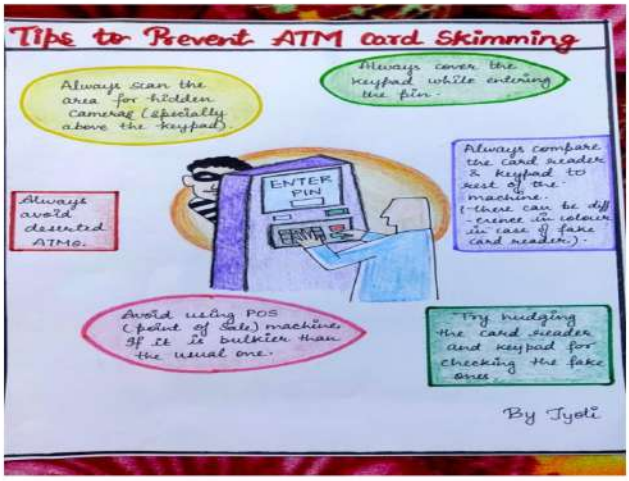

Open your eyes ,
Look around
Corruption needs to be removed
If found
Shikha, Sec B
अच्छे नागरिक का फ़र्ज़ है निभाना,
सतर्कता से है जीवन बिताना
Kritika kumania
चाहिए अगर समृद्ध भारत,
तो तोड़नी होगी भ्रष्टाचार से संगत।
By- Sonali Sec- B
With Ethics and Honesty, Let's make India corruption free.
By- Ojaswini Sec- B
देश का जागरूक नागरिक होने के नाते भारत को समृद्ध बनाने के लिए नौकरी ढूंढने वाले नहीं नौकरी बनाने वाले बनो

BE A JOB MAKER
DON'T BE A JOB SEEKER
TO MAKE INDIA PROSPEROUS
BEING A VIBRANT CITIZEN OF THE COUNTRY
IF YOU ARE NOT AWARE, YOU ARE NOT ALIVE
NO CORRUPTION COMPROMISE.
Always keep your password only in mind.
If you don't want your assets to decline.
Himanshi

Tips to Prevent ATM card Skimming
Always scan the area for hidden cameras (specially above the keypad).
Always cover the keypad while entering the pin.
Always avoid deserted ATMs.
ENTER PIN
Always compare the card reader & keypad to rest of the machine. (there can be difference in colour in case of fake card reader).
Avoid using POS (point of Sale) machine, If it is bulkier than the usual one.
Try nudging the card reader and keypad for checking the fake ones.
By Jyoti

WEAK & UNSUCCESS-FUL
NATION
NATION
PROSPEROUS AND STRONG
CORRUPTION
DISHONESTY
HONESTY
INTEGRITY

तर्कता का परिणा
मस्या का समाध

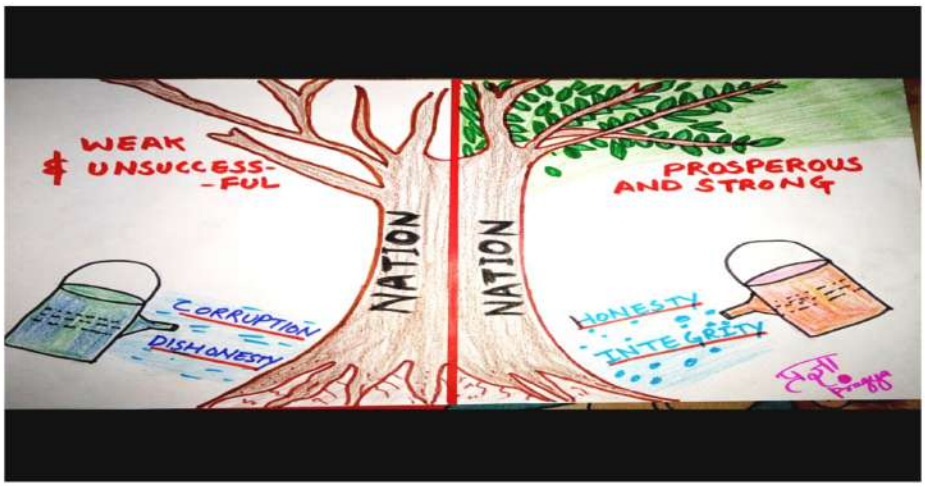

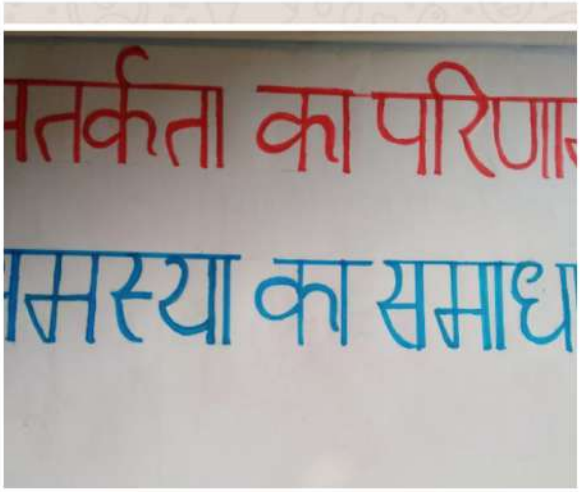

Vigilance is the key to Prosperity

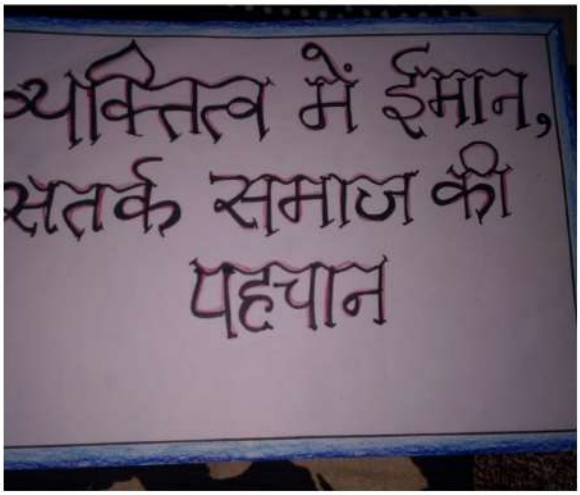

यक्तित्व में ईमान,
सतर्क समाज की
पहचान

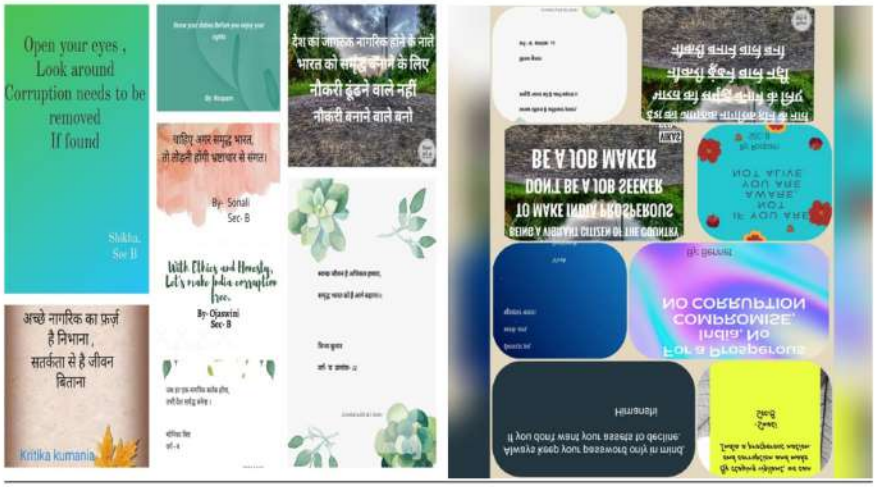

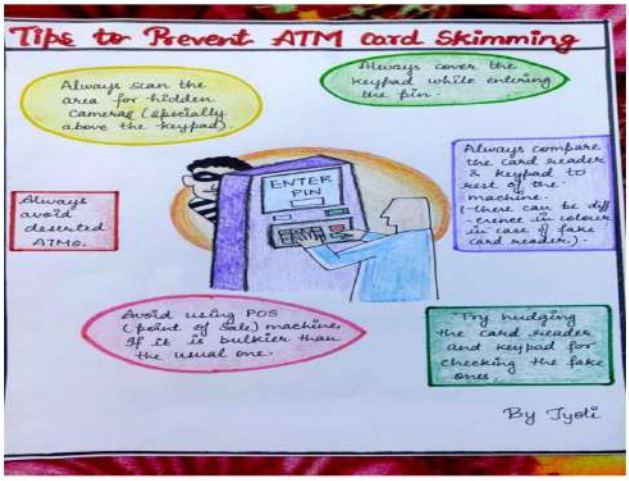

Open your eyes , Look around Corruption needs to be removed If found
अच्छे नागरिक का फ़र्ज़ है निभाना, सतर्कता से है जीवन बिताना
Kritika kumania
By- Sonali Sec- B
With Ethics and Honesty, Let's make India corruption free.
By- Ojaswini Sec- B
देश का जागरूक नागरिक होने के नाते भारत को समृद्ध बनाने के लिए नौकरी ढूंढने वाले नहीं नौकरी बनाने वाले बनो
BE A JOB MAKER DON'T BE A JOB SEEKER TO MAKE INDIA PROSPEROUS
NO CORRUPTION COMPROMISE.
Always keep your password only in mind. If you don't want your assets to decline.
Himanshi

Tips to Prevent ATM card Skimming
Always scan the area for hidden cameras (specially above the keypad).
Always cover the keypad while entering the pin.
Always compare the card reader & keypad to rest of the machine. (there can be difference in colour in case of fake card reader).
Always avoid deserted ATMs.
ENTER PIN
Avoid using POS (point of Sale) machine, If it is bulkier than the usual one.
Try nudging the card reader and keypad for checking the fake ones.
By Jyoti

WEAK & UNSUCCESS-FUL
PROSPEROUS AND STRONG
NATION
NATION
CORRUPTION
DISHONESTY
HONESTY
INTEGRITY

तर्कता का परिणा
मस्या का समाध

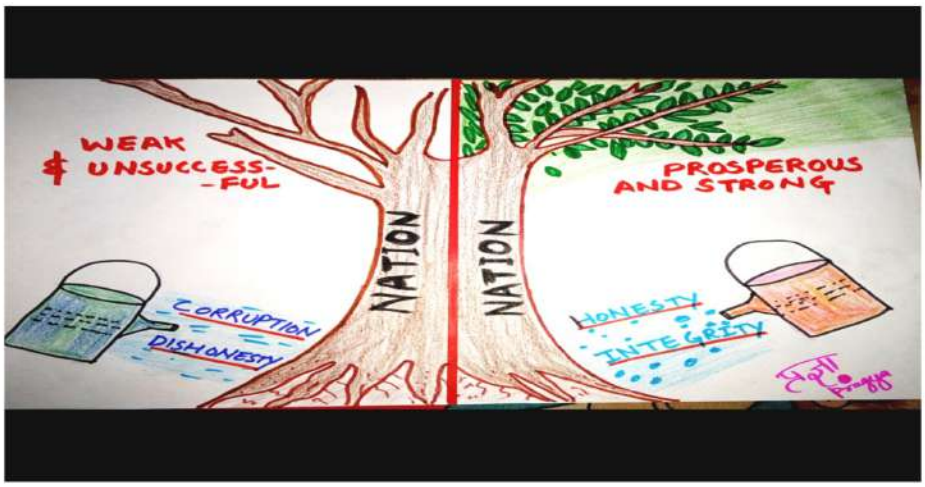

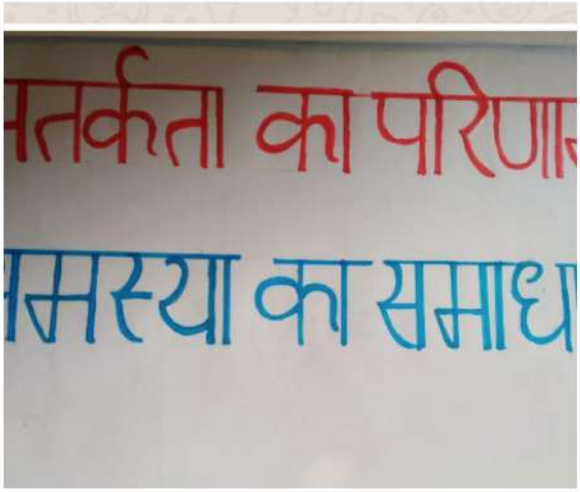

Vigilance is the key to Prosperity

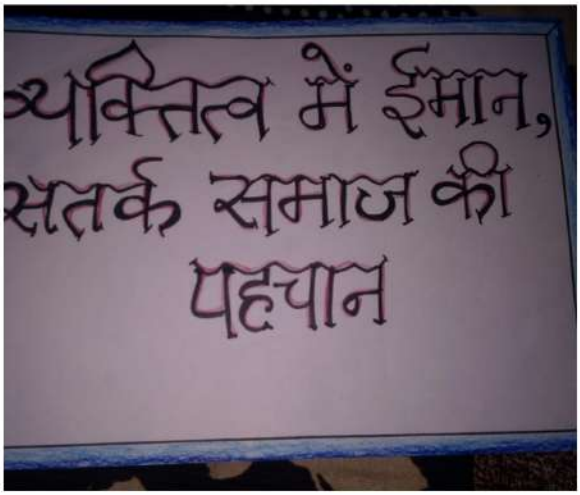

व्यक्तित्व में ईमान,
सतर्क समाज की
पहचान

1. सतर्कता ही सुरक्षा है।
2. जागरुकता ही शिक्षा है।
3. जागरुकता हटी-समृद्धि घटी।
4. जागरुक शिक्षक-सतर्क छात्र-समृद्ध भारत।
5. जागरुकता बढ़ेगी-गरीबी घटेगी।

11:53 AM

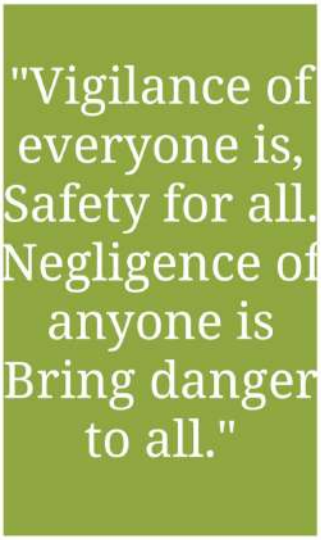

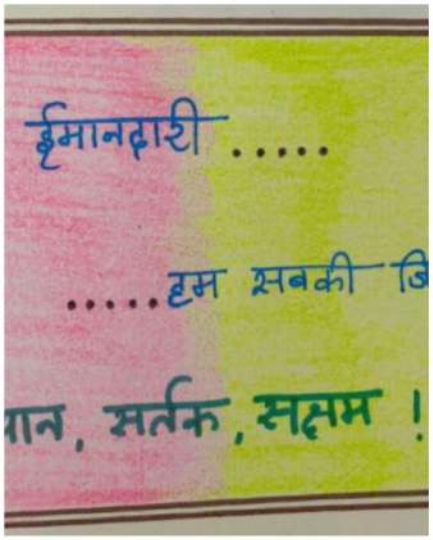

Satarkta ki bandho mutth
Bhrashtachar ki kar do cl

Be vigilant, be woke
Bigotry is not a joke.

6

किचलू का रिक्शा

गर्मी का रिकार्ड जैसे टूट रहा है वैसे किचलू के शरीर से पसानों का भी।

किचलू सोहनगढ़ गाँव में रहता था। पर रोजी रोटी के लिए शहर में ही जाता था। किचलू के पास एक रिक्शा थी जो उसने जुगाड़ से पैसे इकटठे् करके लिया था। उस पर अपनी सभी मनपसन्द कलाकार की फोटो लगायी। उसने रिक्शा को दुल्हन से कम नहीं सजाया रखा था।

आज किचलू को रिक्शा चलाते हुये १५ साल का समय हो गया था, परन्तु उसकी रिक्शा आज भी उतनी ही तराशी हुई थी। किचलू आज एक रूपया भी नहीं कमा पाया था। वो इधर से उधर घूम रहा था और अपना पसीना बार-२ पूछ रहा था।

गर्मी इतनी भीषण थी कि अगर कोई कच्चा पापड़ कुछ देर के लिए रख दें तो सीधा जला हुआ ही मिलेगा । परन्तु किचलू का शरीर कई गर्मी बरदाश्त कर चुका था। पर इस बार की गर्मी भी कुछ भी कुछ अलग ही थी।

किचलू निराश तथा गर्मी से हताश सड़क पर चलते हुए , किसी पेड़ की छाया की आशा कर रहा था। कि कहीं पेड दिख जाये तो आराम करें लिया जाए। दिनभर की थकान व गर्मी की मार से वह बहुत दुर्वल महसूस कर रहा था। किचलू चलता जा रहा था और ठंडी छांव के सपने देखने लगा अचानक उसकी आख कब लग गयी उसे पता भी नहीं चला। ये झपकीं भले ही कुछ सेकेण्ड की थी। परन्तु इसने किचलू के जीवन को कहीं और ही ढकेल दिया। जब आंख खुली तो रिक्शा का आधा हिस्सा उसके ऊपर गिरा था और उसके मुह से दर्द भरी चींख निकलनी शुरु हो गयी।

थोड़ी देर में उसे एक अन्य आवाज भी सुनाई दी, उसने उधर देखा तो एक जख्मी गाय सड़क पर गिरी हुई थी और उसका पैर डाला पर रिक्शे के पहिए मैं फंसा हुआ था। किचलू उठा तो माजरा समझ आया कि ये हुआ क्या। वह जैसे-तेसे उठा और गाय का पैर निकालने लगा ।

कुछ ही पल में गाय का पैर बाहर था। गाय की भी अपनी मर्यादा थी कि कोई कैसे उसे गिरा सकता है।

उसने गुस्से में सांड की तरह एक जोरदार टक्कर किचलू के रिक्शे में मारी। रिक्शा अब दो भागो मे बटा था,एक हिस्सा काफी दूर गिरा और एक हिस्सा आसमान में उछल गया और किचलू के ऊपर गिर गया , परिणाम स्वरुप किचलू धराशाई होकर सड़क पर बेहोश हो गया । जहां बेहोश होकर गिरा था, वहां हल्की हल्की छांव हुई थी।

यह वही छांव थी ,जिसकी वजह से किचलू की झपकी लगी थी। गाय को अब संतोष मिल चुका था, अब वह दूसरी ओर जाने के लिए जैसे ही चली तो एक हाई स्पीड कार ने उसे हवा में गेंद की तरह उछाल दिया और गाय का शरीर तो सड़क पर गिरा परन्तु उसमें शरीर के अलावा और कुछ नहीं बचा था।

कार कब आई और कब निकल गई किसी को पता भी नहीं चला, थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा होने लगी जैसे कीड़ों के चारों ओर चींटी इकट्ठा हो जाती है।

किचलू को जब होश आया तो वह काफी हैरान था कि कोई भी उसके आसपास नहीं है सभी लोग गाय के चारों तरफ जमा है।

कुछ लोगों ने वही पूजा शुरू कर दी थी और कुछ लोगों ने डॉक्टर को ले आए थे और उसे जिंदा करने की सभी उपाय किए जा रहे थे।

किचलू जोर जोर से रोने लगा तब लोगों का ध्यान उसकी ओर गया कुछ लोगों ने सोचा कि यह तो मुस्लिम लग रहा है यह क्यों रो रहा है।

लोगों ने जाकर उसे चुप कराया तथा उसे पूछा कि वह क्यो रो रहा है। किचलू को गुस्सा भी आ रहा था, उसने बताया कि वह अपने रिक्शा के लिए रो रहा है ,जिसको इस गाय ने तोड़ दिया।

कुछ लोगों ने उसे गाली उपहार में दी, लोगों ने किचलू से कहा कि तुम्हें एक सज्जन पशुओं की हत्या पर भी अपनी रिक्शा सूझ रही है ।

किचलू अपना माथा पकड़कर उसी छांव में जाकर लेट गया और इतनी सारी चिंता के बाद भी हो गया।

संयोग से यह समय भी चुनाव का था , नेता जी के चेलों ने यहां एक अच्छा अवसर देखा और तुरंत नेताजी को फोन घुमाया।

नेताजी षड्यंत्र रचने में माहिर थे। नेताजी के विपरीत जो चुनाव लड़ रहा था उसके खिलाफ यह उनको उत्तम हत्यार लगा।

वह तुरंत भीड़ के साथ आए हैं और गाय का पूरे सम्मान के साथ झांकी निकाली और लोगों में अपनी छवि को सुधारने का प्रयास किया।

नारेबाजी शुरू की लोगों में जहर फैलाना शुरू किया माहौल का पूरा फायदा नेताजी उठाना चाहते थे उन्होंने हर तरफ अपने चेले फैला दिए , द्वेष का दौर शुरू कर दिया।

दो पक्ष आपस में बंटने शुरू हो गए दंगे भड़कने लगे और न जाने इस आड़ में कितने लोगों की बलि चढ़ा दी गई ।

मामला कोर्ट पहुंचा तो पुलिस ने तफ्तीश शुरू की ओर जांच में पूछताछ करते करते हुए किचलू तक पहुंच गई ।

किचलू ने अपनी आपबीती सुनाई और कहा, की उस गाय की वजह से अब उसके पास खाने के लिए भी पैसे नहीं है ।

किचलू पिछले 1 हफ्ते से एक समय ही खा रहा था,लेकिन अब उसके पास कोई राशन नहीं बचा था ।

पुलिस किचलू को पकड़ कर ले गई और कोर्ट में उसे उम्र कैद की सजा सुनाई गई। किचलू बड़ा परेशान हुआ अब क्या किया जाए, बुरे फंसे।

किचलू ने मन ही मन सोचा कि खाने के पैसे तो है नहीं, केस लड़ने के पैसे कहां से लाएगा मजबूरी में उसी जेल जाना पड़ा।

किचलू की गांव में जो बची खुची इज्जत थी अब वह भी खत्म हो गई ।

जेल में किचलू अपनी दुर्दशा के बारे में सोचने का प्रयत्न करता परंतु भूख उसे बार-बार रोक देती थी तभी जेल में खाने की घंटी बजी और किचलू सहित सभी कैदी लाइन से खाना लेते हैं किचलू ने मात्र 5 मिनट में पूरा भोजन खत्म कर दिया, किचलू की भूख देखकर पास बैठे एक बूढ़े व्यक्ति ने उसे अपना खाना दे दिया ।भरपेट खाना खाकर उसके चेहरे पर कुछ मुस्कान आई।

मन ही मन वह कम से कम खाना तो मिल रहा है ,यह सोच कर मुस्कुराने लगा और अपने कदम जेल की कोठरी की ओर ले जाने लगा।

अफवाहों को फेलने से रोकें, जिम्मेदार नागरिक बने और अपने आसपास हो रही घटनाओं से अवगत रहें एवं लोगों को जागरूक बनाए।

सतर्क भारत, समृद्ध भारत।

मनीष कुमार सैनी